Atmakathya Previous Year Questions (with model answers)

प्रश्न 1 – 'आत्मकथ्य' कविता का रचनाकार अपने जीवन के उज्ज्वल क्षणों-गाथाओं को सबके सामने प्रकट नहीं करना चाहता है। क्यों? कारण सहित स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2024]

उत्तर – कवि ने अपनी पत्नी के साथ सुखपूर्वक जीवन जीने की जो कल्पना की थी, वह उनकी मृत्यु के साथ ही खत्म हो गयी। और उनका सारा जीवन दुखों से भर गया। कवि की पत्नी की मृत्यु युवावस्था में ही हो गई थी। अपनी पत्नी के साथ बिताये मधुर पलों की स्मृतियाँ ही अब कवि के जीवन जीने का एकमात्र सहारा व मार्गदर्शक हैं। इसीलिए वो अपनी पत्नी के साथ बिताए हुए उन मधुर पलों को अपनी "उज्ज्वल गाथा" के रूप में देखते हैं और उन्हें किसी के साथ बांटना नहीं चाहते हैं। उन्हें सिर्फ अपने दिल में संजो कर रखना चाहते है।

प्रश्न 2 – 'आत्मकथ्य' कविता में आई पंक्ति 'मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ, देखो कितनी आज घनी' का आशय स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2024]

उत्तर – 'आत्मकथ्य' कविता में आई पंक्ति 'मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ, देखो कितनी आज घनी' का आशय यह है कि कवि का जीवन रूपी वृक्ष जो कभी सुख व आनंद रुपी पत्तियों से हरा भरा था। अब वो सभी पत्तियों मुरझा कर एक – एक करके गिर रही हैं। क्योंकि आज कवि के जीवन की परिस्थितियां बदल चुकी है। उनके जीवन में सुख की जगह दुख और निराशा ने ले ली है। और कवि इस वक्त अपने जीवन रूपी वृक्ष में पतझड़ का सामना कर रहे हैं।

प्रश्न 3 – इस वर्ष पाठ्यक्रम में पढ़ी कौन-सी कविता है जिसमें आत्मकथा लेखन के विषय में कवि ने अपनी राय व्यक्त की है? आत्मकथा के विषय में कवि के विचारों में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। [CBSE 2023]

उत्तर – इस वर्ष पाठ्यक्रम में पढ़ी 'आत्मकथ्य' कविता में आत्मकथा लेखन के विषय में कवि ने अपनी राय व्यक्त की है। अपनी आत्मकथा लिखने में कवि को कोई रूचि नहीं है क्योंकि न तो वे अपने धोखेबाज़ मित्रों के बारे में बता कर उन्हें शर्मिंदा करना चाहते हैं और न ही अपने द्वारा की गई गलतियों को बता कर अपना मज़ाक उड़वाना चाहते हैं और न ही अपने और अपनी पत्नी की निजी बातों का जिक्र करना चाहते हैं। इन्ही कारणों से वे कई तर्क दे कर अपनी आत्मकथा लिखने से बचना चाहते हैं।

प्रश्न 4 – 'आत्मकथ्य' कविता की पंक्ति – "यह विडंबना ! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।" – का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। [CBSE 2023]

उत्तर – "यह विडंबना ! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।" – का भाव यह है कि कवि अपने प्रपंची मित्रों की असलियत दुनिया के सामने ला कर , उनको शर्मिंदा नही करना चाहते हैं। इसीलिए कवि अपनी आत्मकथा नहीं लिखना चाहते हैं। कवि को यह बड़े दुर्भाग्य की बात लगती है कि उनके जो मित्र उन्हें आत्मकथा लिखने को कह रहे हैं, उन लोगों ने कवि को धोखे दिए हैं या उनके साथ छल – प्रपंच किए हैं। कवि के सरल स्वभाव के कारण जीवन में उनसे जो गलतियां हुई हैं , उन सभी के बारे में लिखकर कवि अपना और अपने मित्रों का मजाक नहीं बनाना चाहते हैं।

प्रश्न 5 – स्मृति को पाथेय बनाने से जयशंकर प्रसाद का क्या आशय है? [CBSE 2019]

उत्तर – 'पाथेय' अर्थात् सहारा। स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का आशय अपनी प्रिय की स्मृति के सहारे जीवन जीने से है। कवि की पत्नी की मृत्यु युवावस्था में ही हो गई थी। अपनी पत्नी के साथ बिताये मधुर पलों की स्मृतियाँ ही अब कवि के जीवन जीने का एकमात्र सहारा व मार्गदर्शक हैं। इसीलिए कवि उन्हें किसी के साथ बांटना नहीं चाहते हैं। उन्हें सिर्फ अपने दिल में संजो कर रखना चाहते है। जैसे थका हुआ यात्री शेष रास्ता देखते हुए अपनी मंजिल पा जाता है वैसे ही कवि अपनी पत्नी की यादों के सहारे अपना शेष जीवन बिता लेगा। मनुष्य अपनी सुखद स्मृतियों की याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर सकता है।

For the complete set of previous year questions of Atmakathya, Click Here

Atmakathya Summary, Word meanings, Click Here

Atmakathya Important Questions, Click Here

Kshitij Bhag 2 Book Word meanings of all lessons, Click Here

Kshitij Bhag 2 Book Character Sketches, Click Here